

उत्तरांचल शासन
उज्ज्वा विभाग

संख्या: ०७ / १/ २००६-०२(३)१५/ २००४
दिनांक: देहरादून: १, जनवरी, २००६

अधिरूचना

आधिरूचना संख्या: १८७ / १/ २००५-०२(३) / १५ / २००४, दिनांक: १० जनवरी, २००५ द्वारा निर्गत अधिरूचना, जिसके द्वारा विद्युत अधिनियम, २००३ की पारा- १६६ (४) के अधीन गठित रामनव्य मंच में अपर राधिव (उज्ज्वा) को संयोजक के रूप में नामित, विद्या गया था, को श्री राज्यपाल एवं द्वारा तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

N. Ravinder Singh
(पन०रवि शंकर)
सचिव

संख्या: ०७ / १/ २००६-०२(३)१५/ २००४ / संदिग्ध

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- १- प्रमुख राधिव-मा० मुख्य मंत्री को मा० मुख्य मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- २- निजी राधिव-मा० उज्ज्वा राज्य मंत्री को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- ३- निजी राधिव-मुख्य राधिव को मुख्य राधिव गहोदय के संज्ञानार्थ।
- ४- रामरत प्रगति राधिव/राधिव, उत्तरांचल शासन।
- ५- मा० अध्यक्ष, उत्तरांचल विद्युत नियामक आयोग, देहरादून।
- ६- अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल चाल विद्युत निगम/उत्तरांचल पावर वारपोरेशन लि०, देहरादून।
- ७- प्रबन्ध निदेशक, PTCUL/प्रभारी, SLDC.
- ८- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, NHPC, TIDC, NTPC, NTPC Hydro।
- ९- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि०।
- १०- रामरत आयुक्त/जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- ११- प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिस्तर, देहरादून।
- १२- संयुक्त निदेशक, राजकीय फोटो लिथो प्रैस, रुडकी। को इस कथन के साथ प्रेषित है कि इस अधिरूचना को गजट के आगामी अंक में प्रकाशन हेतु।

आज्ञा रो
अपर राधिव
(डॉ०प०सी०जौशी)
अपर सचिव